KARNATAKA ICSE SCHOOLS ASSOCIATION

ICSE STD. X Preparatory Examination 2024

Subject: Hindi (Second Language)

Maximum Marks: 80 **Time Allowed: Three Hours** **Date: 23-01-2024**

Answer key

Section A (40 Marks)
Attempt **all** questions

Question 1.

Write a short composition in **Hindi** of approximately **250** words on any **one** of the following topics: - [15]

(i) काश , वे दिन लौट आते । अपने बचपन की उन आनंदमय बातों का वर्णन कीजिए , जिन्हें याद कर आप आज भी आनंदित होते हैं ।

(ii) ऊँचे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए माता-पिता तथा अध्यापकों द्वारा बच्चों पर डाला जाने वाला दबाव अनुचित है । इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपने विचार लिखिए ।

(iii) आज नारी घर की चारदीवारी से निकल नौकरी के लिए जाती है। इस दोहरे(double) दायित्व (responsibility)को निभाने में नारी को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है । उन समस्याओं का उल्लेख करते हुए अपने विचार लिखिए ।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्न कहावत हो -
जहाँ चाह वहाँ राह

(v) दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से हो ।

Marking Scheme

Question 1

संक्षिप्त लेख
(i) भूमिका -बचपन का सुनहरा समय
मध्यभाग - बचपन की याद,घटनाएँ,शिक्षा,खेल,मित्र,त्यौहार,परिवार,संस्मरण,सैर-सपाटे,दुर्घटनाँए
उपसंहार- बचपन जीवन का सबसे अच्छा समय
(ii) भूमिका- इसमें छात्र या तो विषय के पक्ष में विचार रखेंगे या विपक्ष । दोनों पक्ष एक साथ लेकर नहीं चलेंगे ।
मध्यभाग- पक्ष- महत्वाकांक्षी माता-पिता,दबाव,तनाव,अनिच्छा,मानसिक और शारीरिक थकान,नकारात्मक प्रभाव ,मनोबल टूटना ।
विपक्ष–माता-पिता बच्चों के शुभचिंतक , एकाग्रता, उद्देश्य की पहचान ,कठिन स्पर्धा की तैयारी,मानसिक दृढ़ता
उपसंहार-किसी एक पक्ष को समेटते हुए अपने कथन का अंत करना
(iii) भूमिका- वर्तमान में शिक्षा के प्रसार के कारण शिक्षित नारी,नारी का नौकरी के लिए बाहर निकलना, घर-परिवार और नौकरी के बीच संतुलन
मध्यभाग- विभिन्न समस्याएँ
उपसंहार- पारिवारिक सहयोग का उल्लेख करते हुए अंत ।
(iv) भूमिका- कहावत का अर्थ स्पष्ट करना
मध्यभाग- मौलिक कहानी,किसी भी घटना पर आधारित हो सकती है , कहावत को स्पष्ट करती हो ।
उपसंहार-कहानी अंत कहावत के साथ
(v) भूमिका- चित्र वर्णन
मध्यभाग- लेख अथवा कहानी का विस्तार
उपसंहार

Question 2

Write a letter in **Hindi** in approximately **120** words on any **one** of the topics given below:

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए । [7]

(i) आपने अपने विद्यालय में एक नाटक में भाग लिया । नाटक दर्शकों बहुत पसंद आया । अपने किसी मित्र को पत्र लिखकर नाटक की कथावस्तु (plot) , नाटक में आपकी भूमिका और मंच (Stage)पर अभिनय का अनुभव आदि के बारे में विस्तार से बताएँ ।

(ii) आपके क्षेत्र में एक ही सरकारी अस्पताल है जिसके कारण आम जनता को बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । उन परेशानियों का उल्लेख करते हुए एक और सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने का अनुरोध करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी को पत्र लिखिए ।

(i) औपचारिक पत्र	(ii) अनौपचारिक पत्र
प्रारूप प्रेषक, नाम पता	प्रारूप प्रति नाम और पता दिनांक

दिनांक- प्रति, विषय- महोदय, मूल विषय धन्यवाद भवदीय प्रेषक का नाम मूल विषय- नाटक किस अवसर पर खेला गया , नाटक की विषय वस्तु , आपकी भूमिका	संबोधन अभिवादन मूल विषय उपसंहार मूल विषय - परेशानियों की चर्चा , नये अस्पताल की आवश्यकता

Question 3.

Read the passage given below and answer in **Hindi** the questions that follow, using your own words as far as possible.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होना चाहिए ।

(i) उत्तर- जिस बस में लेखक उनकी पत्नी और बच्चों के साथ यात्रा कर रहे थे वह बस रुक-रुक कर चलती थी । मंज़िल से कुछ ही दूर पहले बस खराब हो गयी । वह रात का समय था । अँधेरा भी था । जिस जगह बस खराब हुई थी ,वह स्थान सुनसान था । इस कारण बस में बैठे लोग घबरा गए ।

(ii) उत्तर- फँसे हुए यात्रियों के लिए दूसरी बस का इंतज़ाम करने के लिए कंडक्टर साइकल ले कर चला गया ।

(iii) उत्तर- यात्रियों ने सोचा कि ड्राइवर कंडक्टर के साथ मिलकर उन्हें धोखा दे रहा है । दोनों के द्वारा यात्रियों को लूटने की योजना बनाई जा रही है । यात्रियों ने सोचा कि ड्राइवर ने कंडक्टर को डाकुओं के पास भेज दिया है ।

(iv) उत्तर- यात्रियों के मन में संदेह था कि ड्राइवर ने कंडक्टर के साथ मिलकर यात्रियों को लूटने की योजना बनाई थी । अतः कुछ यात्रियों ने ड्राइवर को पीटने की योजना बनायी । लेखक ने किसी तरह ड्राइवर को पिटने से तो बचाया लेकिन यात्रियों ने उसे बस से उतार कर एक जगह घेर कर रखा । वे सोचते थे कि किसी अप्रिय घटना की स्थिति में ड्राइवर को मारा जा सकता है ।

(v) उत्तर -प्रस्तुत अवतरण के माध्यम से हम यह सीखते हैं कि धोखाधड़ी के वर्तमान समय में भी मानवता पर से विश्वास नहीं उठना चाहिए । आज के दौर में भी ऐसे लोग हैं जिनके मन में दया माया जैसे भाव हैं । ऐसे भी लोग हैं जो निस्वार्थ भाव से अपना कर्तव्य पूरा करते हैं । जीवन में उन्हीं बातों का हिसाब रखें जहाँ हमें प्रेम मिला हो , मदद मिली हो । ऐसा करके हम जीवन का आनंद उठा सकते हैं ।

Question 4.

Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए ।

(i) (आ) जागरण

(ii) (अ) कृपण

(iii) (ई) दिनकर,रवि

(iv) (अ) प्रतिभाशाली
(v) (इ) आसमान सिर पर उठाना
(vi) (आ) विद्यार्थी निबंध लिख रहे थे ।
(vii) (अ) पुरस्कार मंत्री जी के द्वारा बाँटे गए ।
(viii) (इ) मैंने एक सुंदर उद्यान देखा ।

Section B (40 Marks)

Questions from only two of the following textbooks are to be answered.

Attempt **four** questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of the **two** books you have studied and any **two** other questions from the same books you have chosen.

साहित्य सागर -संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar- Short Stories)

Question 5.

(i) लेखक अपने मित्र श्यामलाकांत के विवाह में शामिल होने के लिए हरिद्वार जाते हैं । श्यामलाकांत के छोटे संकीर्ण घर में सामान और बच्चों की भीड़ देखकर लेखक का दम घुटने लगता है । श्यामलाकांत की पत्नी लेखक के लिए जलपान लेकर आती है । वे बड़ी दुर्बल और अस्वस्थ दिखाई देती हैं। लेखक उन्हें देखकर स्तब्ध रह जाते हैं और उक्त प्रश्न पूछते हैं ।

(ii) वक्ता के इस प्रश्न पर श्रोता फीकी मुस्कान मुस्कुरा दीं । उन्होंने बताया कि इतने बड़े परिवार में हर रोज़ कोई न कोई बीमार रहता ही है। वे डॉ. के पास गईं भी थीं लेकिन वहाँ पर रोगियों की भीड़ थी । रोगियों की भीड़ में हर रोगी को उचित रूप से देखना और इलाज कर पाना डॉक्टर के लिए भी असंभव सा हो जाता है ।

(iii) अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्वच्छ जलवायु और पौष्टिक भोजन आवश्यक होता है । लेकिन , यदि परिवार सीमित न हो तब व्यक्ति को कदम-कदम पर समझौता करना पड़ता है । आर्थिक बोझ के चलते व्यक्ति संकीर्ण घरों व दूषित वातावरण में रहने पर मजबूर हो जाता है । न ही उसे भरपेट भोजन प्राप्त होता है । ऐसे में कुपोषण का शिकार होकर , गंदे- दूषित घरों में रहकर व्यक्ति बीमार पड़ जाता है । देश की बढ़ती हुई जनसंख्या इसके लिए ज़िम्मेदार है ।

(iv) भीड़ में खोया आदमी - इस निबंध के माध्यम से लेखक ने देश में जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला है । लेखक ने इस निबंध में यह समझाने का भी प्रयास किया है कि जनसंख्या वृद्धि के साथ-साथ उससे जुड़ी अन्य समस्याएँ जैसे - पर्यावरण प्रदूषण , बेरोजगारी , आवास समस्या , भोजन सामग्री की कमी , शिक्षा सुविधाओं में कमी , भ्रष्टाचार में बढ़ोतरी पैदा होती है जो हमारे जीवन को प्रभावित करती है ।

जनसंख्या वृद्धि देश के अनुशासन को भी प्रभावित करती है। स्वार्थ पूर्ति के लिए नियमों को ताक पर रख दिया जाता है । लेखक ने अपने मित्र श्यामला बाबू के असीमित परिवार और उसकी समस्याओं के माध्यम से पाठकों को जगाने का काम किया है । लेखक कहते हैं कि यदि समय रहते हम न जागे तो वह दिन दूर नहीं जब बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याओं में हम पूरी तरह खो जाएँगे ।

Question 6.

(i) अरुणा को चित्रा की कला निरर्थक लगती है । चित्रा धनी परिवार की इकलौती बेटी है जिसे चित्रकला में रुचि है । उसके पास साधन और सामर्थ्य की कमी नहीं है । इसके विपरीत अरुणा की रुचि समाज-सेवा में है । वह ज़रूरतमंदों की सहायता किया करती है । इसलिए वह चाहती है कि चित्रा अपने सामर्थ्य का प्रयोग लोगों की ज़िंदगी बनाने में करे ।

(ii) वक्ता अरुणा ने चित्रा की कला का मज़ाक उड़ाते हुए उसे खिचड़ी और घनचक्कर कहा । चित्रा ने अपने चित्र में शहर के एक भीड़-भाड़ वाले दृश्य को दिखाया था । उस चित्र में सड़कें,आदमी,ट्राम,बस , मोटर सभी कुछ था । अरुणा उस चित्र को समझ नहीं पा रही थी । वह चित्रा से पूछती है कि चौरासी लाख योनियों में से वह किस जीव की तस्वीर थी ।
अरुणा चित्रा को सलाह देती है कि वह चित्र को शीर्षक दे दिया करे जिससे कोई गलतफहमी न हो।

(iii) दो कलाकार कहानी दो विभिन्न विचारों वाली अभिन्न सहेलियों की कहानी है । कहानी का कथानक आरम्भ से अंत तक दोनों सहेलियों के इर्द-गिर्द घूमता है । एक चित्रकार है तो दूसरी समाज सेविका । चित्रा रंगों की दुनिया में डूबकर प्रसिद्धि पाना चाहती है । वह संवेदनशील होते हुए महत्वाकांक्षी भी है । प्रसिद्ध चित्रकार बनना ही उसके जीवन का उद्देश्य है । उसकी कला लोगों का मनोरंजन करती करती है ।
वहीं अरुणा एक समाज-सेविका है । लोगों के सुख-दुख में शामिल होकर उनके जीवन में रंग भरना उसके जीवन का उद्देश्य है । चित्रा और अरुणा दोनों ही कलाकार साबित होती हैं । चित्रा चित्रकला में निपुण है तो अरुणा जीवन को सार्थक बनाने की कला में कुशल है। दोनो ही अपनी संवेदनशीलता को भिन्न-भिन्न रूप से प्रकट करती हैं । अतः कहानी का शीर्षक सार्थक है ।

(iv) वक्ता अरुणा और श्रोता चित्रा की रुचियों और विचारों में जमीन आसमान का अंतर होते हुए भी दोनों अच्छी मित्र थीं। कहानी की कुछ घटनाएँ इसका सबूत हैं । चित्रा अपने बनाए हुए नए चित्र को अरुणा को दिखाने के लिए अधीर हो उठती है और उसकी राय भी जानना चाहती है । अरुणा द्वारा उसकी कला का मज़ाक उड़ाने पर भी वह बुरा नहीं मानती । चित्रा भी उसे भारी पंडिताइन कह कर चिढ़ाती है । दोनों ही बड़ी सहजता से एक-दूसरे के सामने अपने विचार खुलकर रखती हैं । चंदा इकट्ठा करने गई अरुणा को आने वाली परीक्षा के लिए चित्रा के द्वारा आगाह किया जाना उसकी चिंता दिखाता है । चित्रा के विदेश जाने का समाचार अरुणा को दुखी कर देता है । वह पूछती है - तू चली जाएगी तो मैं कैसे रहूँगी ?
जाने वाले दिन जब चित्रा सभी से मिलने गई थी , अरुणा ही उसका सारा सामान ठीक कर रही थी । कहानी के अंत में चित्रा के चित्रों की प्रदर्शनी में दोनों की भेंट में वही स्नेह औरआत्मीयता दिखाई देती है जो प्रारंभ में थी ।

Question 7.

(i) सीधा-साधा देहाती गृहस्थ - से श्रीकंठ की ओर संकेत किया गया है । वह बेनीमाधव का बड़ा बेटा है । उसने बी.ए. तक शिक्षा प्राप्त की है । वह पाश्चात्य संस्कृति का विरोधी है और भारतीय संस्कृति व सभ्यता का पक्षधर है । वह संयुक्त परिवार की परंपरा का हिमायती है । वह स्वाभिमानी , कर्तव्यनिष्ठ , परिश्रमी और समझदार युवक है जिसे हम आदर्श व्यक्ति भी कह सकते हैं ।

(ii) आनंदी एक ताल्लुकेदार भूपसिंह की चौथी बेटी है । वह श्रीकंठ की पत्नी है ।
आनंदी का जन्म एक उच्च व समृद्ध परिवार में होता है जहाँ वैभव के सभी साधन उपलब्ध थे । उसका विवाह एक सामान्य परिवार में हुआ था । वहाँ की स्थिति उसके परिवार से अलग थी । उसे जिस टीम-टाम की आदत थी वह यहाँ नाममात्र को भी नहीं था । उसने घर में हाथी घोड़े देखे थे लेकिन नये घर में एक बहली तक नहीं थी । पिता के विशाल भवन की तुलना में नया घर बहुत ही साधारण था जहाँ मकान में खिड़कियाँ तक न थी , न ज़मीन पर फर्श , दीवार पर तस्वीरें ।

(iii) आनंदी इस कहानी की नायिका है । वह एक समझदार , धैर्यवान तथा सहनशील स्त्री है । उच्च परिवार की गुणवती व रूपवती कन्या आनंदी , सामान्य परिवार में विवाह के बाद स्वयं को नई परिस्थिति के अनुकूल ढाल लेती है ।
उसमें आत्मसम्मान और स्वाभिमान की भावना भी है । अपने देवर लालबिहारी के द्वारा वह अपने मायके की निंदा सहन नहीं कर पाती । वह व्यवहार कुशल , क्षमाशील , कर्तव्यनिष्ठ और उदार सुगृहणी है । वह लालबिहारी की गलती को भुलाकर उसे क्षमा करती है और परिवार को टूटने से बचा लेती है ।

(iv) सुरक्षा, शारीरिक व चारित्रिक विकास के अवसर , पारिवारिक एकता
माता-पिता के साथ-साथ अन्य परिवारजनों विशेषकर दादा-दादी का प्रेम । अनावश्यक खर्चों से बचा जा सकता है । संयुक्त परिवार साझा करने और समझौता करने का मूल्यवान सबक सिखाता है । सहानुभूति और समझ की भावना का विकास ।

साहित्य सागर -पद्य भाग
(Sahitya Sagar- Poems)

Question 8.

(i) भिक्षुक जब भूख से व्याकुल हो जाता है और जब प्यास से उसके होंठ सूखने लगते हैं तब उसकी हालत दयनीय हो जाती है । ऐसी स्थिति में भी कोई उसकी सहायता नहीं करता । ऐसी स्थिति में भूख और प्यास से व्याकुल भिक्षुक आँसू पी कर चुप रह जाता है । कभी-कभी तो वह और उसके बच्चे सड़क के किनारे खड़े होकर जूठी पत्तलें चाटने पर मजबूर हो जाते हैं ।

(ii) भूख से व्याकुल भिक्षुक और उसके बच्चे जब सड़क से गुजरते हैं तो सड़क के किनारे पड़ी जूठी पत्तलें देखकर उनसे रहा नहीं जाता और वे अपनी भूख शांत करने के लिए उन पत्तलों को चाटने लगते हैं । लेकिन , यहाँ भी संघर्ष है वह भी कुत्तों से ! उन पत्तलों के लिए वे कुत्तों के साथ छीना-झपटी करने लगते हैं । भोजन के लिए मानव को पशुओं के साथ संघर्ष करते देख कवि का हृदय द्रवित हो उठता है ।

(iii) भिक्षुक कविता में कवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला ने भिखारी का यथार्थ चित्रण पूरी संवेदना के

साथ किया है । यह कविता घोर सामाजिक विषमता पर व्यंग्य है। कवि उस सामाजिक व्यवस्था को फटकारते हैं जहाँ मनुष्य को भीख माँगने जैसा घृणित और अपमानजनक कार्य करना पड़ता है ।

(iv) अभिमन्यु का अभिप्राय यहाँ संघर्ष से है । उपर्युक्त पंक्तियों में कवि ने भिक्षुक को अभिमन्यु के समान संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया है । चक्रव्यूह का भेदन करते समय अभिमन्यु ने अनेक महारथियों से संघर्ष किया और मृत्यु को प्राप्त हुआ और अपनी वीरता के लिए जाना गया । कवि चाहते हैं भिक्षुक अपनी हीन-दीन परिस्थिति से संघर्ष करे ताकि समाज उसकी दशा पर अपनी संवेदना व्यक्त करे ।

Question 9.

(i) कवि ने मेघों के तुलना पाहुन (दामाद) के आने से की है । मेघ के आगमन से (मेहमान) गाँव में हर्ष का वातावरण है । शीतल बयार नाचते-गाते हुए पाहुन के आगे-आगे चलने लगी । सभी ग्रामवासियों ने अपने-अपने दरवाज़े खिड़की खोल दिए ताकि वे पाहुने केदर्शन कर सकें । पेड़ उचक-उचक कर पाहुन को देखने लगे । आँधी अपना घाघरा उठाए दौड़ी चली । गाँव के पुराने पीपल ने भी मानो झुककर नमस्ते की । गाँव का तालाब पाहुन के स्वागत में परात में पानी भर लाया । बिजली भी चमकने लगी। इस प्रकार पूरे गाँव में उल्लास का वातावरण छा गया ।

(ii) मेघों के आगमन पर बयार आगे-आगे नाचते चली मानो पाहुन के स्वागत में प्रसन्न हो कर नाच-गा रही हो । जैसे गाँव में किसी मेहमान के आने पर गाँव के बच्चे उसके साथ-साथ चलते हैं और उसके आने की सूचना पहले ही घर-घर पहुँचा देते हैं ।

(iii) मेघों की तुलना शहरी दामाद से की गई है क्योंकि मेघ वैसे ही सजधज कर आ रहे हैं जैसे शहरी दामाद सजधजकर गाँव आता है या इन मेघों का इंतज़ार दामाद की ही तरह किया जाता है ।

(iv) प्रस्तुत कविता में मेघों की तुलना शहरी दामाद से की है । जिस प्रकार लंबे समय के बाद शहरी दामाद गाँव में अपने ससुराल बन ठन कर पहुँचता है तब पूरे गाँव में उल्लास का वातावरण छा जाता है । ठीक उसी प्रकार जब भीषण गर्मी के बाद वर्षा ऋतु आती है तब तेज हवा चलने लगती है और पान भरे काले बादल छाने लगते हैं । काले घने बादलों को देखने लोग अपने घरों के दरवाज़े - खिड़कियाँ खोल कर झाँक -झाँककर बाहर देखने लगते हैं । काले घने बादलों को देखकर सबके मन प्रसन्नता से भर जाते हैं । उस समय ऐसा प्रतीत होता है जैसे शहर में रहने वाला बादल रूपी दामाद बन ठन कर गाँव लौटा हो ।

Question 10.

(i) कवि कहते हैं कि जब नाव में पानी भर जाए तो प्राण बचाने के लिए दोनों हाथों से पानी निकालना ही उचित होगा अन्यथा नाव डूब सकती है । वैसे ही घर में धन आ जाने से दोनों हाथों से बाँट देना चाहिए ।

(ii) सयानो अर्थात समझदार व्यक्ति । सयाना व्यक्ति परोपकार में विश्वास करता है । वह धन को उदार हो कर दान कर देता है । परोपकार के लिए अपना सर्वस्व त्याग कर देता है । कैसा भी समय हो वह भगवान का नाम लेना नहीं भूलता ।

(iii) गिरीधर कवि कहते हैं कि हमें बड़ों ने यही सिखाया है कि हमेशा सही मार्ग पर चल कर ही जीवन जीना

चाहिए ।आचरण की शुद्धता बनाए रखनी चाहिए क्योंकि सही मार्ग पर चलकर और आचरण की शुद्धता का पालन कर ही सम्मान की रक्षा की जा सकती है ।

(iv) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने परोपकार के महत्व को प्रतिपादित किया है । कवि कहते हैं कि हमें परोपकार में जीवन बिताना चाहिए । यदि आवश्यक हो तो दूसरों की भलाई में अपना सर्वस्व त्याग देना चाहिए । यदि धन की अधिकता हो तो उसे दान में दे देना चाहिए । यही जीवन जीने का सच्चा मार्ग है जो समाज में हमारे सम्मान को बनाए रखता है ।

[नया रास्ता - सुषमा अग्रवाल]
[Naya Rasta- Sushma Agarwal]

Question 11.

(i) अमित और मायाराम जी मीरापुर गए थे । मायारामजी को अपने बेटे अमित के रिश्ते के लिए एक लड़की की तलाश थी ।, इसलिए वह मीरापुर कस्बे में दयारामजी के घर उनकी बड़ी बेटी मीनू को देखने के लिए गए थे ।

अमित और मायाराम जी मेरठ में रहते हैं । अमित मायारामजी का बेटा है । वह एक फैक्ट्री का मालिक है। वह देखने में आकर्षक ,सुलझे विचारों वाला भावुक युवक है ।

मायाराम जी संस्कारों ,परंपराओं और रीति-रिवाजों विश्वास रखने वाले है ।

(ii) 'कोई सज्जन' धनीमल जी के लिए प्रयुक्त किया गया है । धनीमल जी वहाँ पर मायाराम जी की प्रतीक्षा कर रहे थे । वे अमित के लिए अपनी सबसे छोटी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे । उनकी इच्छा थी कि उनकी बेटी सरिता का विवाह मायाराम जी के पुत्र अमित से हो जाए ।

(iii) धनीमल अपनी बेटी सरिता का रिश्ता लेकर आए थे । इस रिश्ते को लेकर धनीमल और मायाराम में के बीच काफी बातें हुई । धनीमल ने अपनी बेटी सरिता की तस्वीर मायाराम के सामने रख दी । उन्होंने यह भी कहा कि वे शादी में पाँच लाख तक खर्च करने के लिए तैयार है ।

मायाराम जी दहेज-विरोधी थे । इसलिए उन्होंने कहा कि इस सबकी कोई जरूरत नहीं है । उसी दिन वह एक लड़की देखकर आए हैं और वह लड़की घर में सबको पसंद भी आ गई है । यह सनकर धनीमल जी ने कहा कि उनकी तीन बेटियाँ हैं और उनके मरने के बाद सब कुछ बेटियों का हो जाएग । अतः वे इस पर सोच-समझकर विचार कर लें । यह कहकर वे उठ खड़े हुए और चलते-चलते कह गए कि इस विषय पर मायाराम जी के विचार वह कल आकर मालूम कर लेंगे ।

(iv) धनीमल जी उपन्यास के प्रमुख पात्रों में से एक हैं । वह मेरठ के धनी व्यक्तियों में गिने जाते हैं । उन्हें अपनी धन- संपत्ति का घमंड है और उनका मानना है कि पैसे के बल पर सब कुछ खरीदा जा सकता है । पाँच लाख रुपयों का लालच देकर वे अमित को खरीदना चाहते थे । शादी में एक फ्लैट अपनी बेटी को देकर वह अमित को उसके माता-पिता से अलग करवा देना चाहते हैं ।लेकिन वे सफल नहीं हो पाते और मायाराम जी का परिवार यह रिश्ता अस्वीकार कर देता है ।

Question 12.

(i) चेहरा मुरझा गया का अर्थ है - चेहरे पर मायूसी छा जाना अर्थात उदास हो जाना । आशा की शादी में बड़ी होने के नाते एक रस्म में मीनू को आरती उतारनी थी । बुआजी इस बात का विरोध करती है क्योंकि यह अधिकार विवाहित बहन का होता है और मीनू अविवाहित थी । बुआजी की यह कड़वी बात सुनकर मीनू का चेहरा मुरझा गया था ।

(ii) माँ ने देखा कि बुआ जी की बात सुनकर मीनू बहुत मायूस हो गयी है । माँ को मीनू की मनःस्थिति समझते देर न लगी । मीनू को सबके सामने और न अपमानित होना पड़े यह सोचकर माँ ने तुरंत स्थिति को सँभाला और बड़ी दृढ़ता से कहा कि आजकल ये बातें कोई नहीं मानता । मीनू ही करेगी सारी रस्में ।

(iii) नया रास्ता उपन्यास में मीनू की माँ एक समझदार तथा प्रगतिशील स्त्री के रूप में हमारे सामने आती है । वह मीनू के हर फैसले में उसका साथ देकर उसे मजबूत बनाती है । रूढ़िवादी मान्यताओं को नकारकर मायूस मीनू को संभालती है । समाज और परिवारजनों के दबाव में न आकर वह मीनू के हर फैसले में उसका साथ देती है , चाहे वह वकालत की पढ़ाई करने का फैसला हो या फिर शादी न करने का फैसला ।

(iv) प्रस्तुत कथन सत्य है । हर लड़की के लिए शिक्षा प्राप्त करना आवश्यक है । एक पढ़ी लिखी लड़की आत्मविश्वास से भरपूर होती है । अपने पैरों पर खड़े होकर वह अन्याय के खिलाफ लड़ सकती है । शिक्षा उसमें साहस और आत्मसम्मान जैसे गुण भरती है । शिक्षित नारी ही सबल समाज का आधार है । शिक्षा ही वह हथियार है जो हर लड़की को वैवाहिक जीवन की समस्याओं से जूझने की ताकत देता है । शिक्षा के बल पर ही लड़की आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनकर न सिर्फ अपना वरन परिवार का जीवन भी खुशहाल बना सकती है।

Question 13.

(i) मीनू वकालत की पढ़ाई पूर्ण कर मेरठ में वकालत करने लगती है । कुछ ही महीनों में वह वकालत में अपनी धाक जमा लेती है । उसकी बुलन्दी के चर्चे चारों ओर फैल गए थे । मीनू एक साधारण व्यक्तित्व की दुबली-पतली लड़की थी । लेकिन ,उसका उत्साह , जोश और रोबीली आवाज़ उसे एक अलग ही व्यक्तित्व प्रदान करता था ।

(ii) मीनू एक मेधावी छात्रा है जो हमेशा ही प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होती रही है । वह एक साहसी ,दृढ़निश्चयी व परिश्रमी है । उपन्यास में हम उसके व्यक्तित्व में उत्तरोत्तर विकास होते देखते हैं । एक ओर परिवार के सभी सदस्यों का प्रेम से ध्यान रखती है तो दूसरी ओर बड़ी दृढ़ता के साथ जीवन की मुश्किलों का सामना करती है ।

(iii) वकालत शुरू करने के बाद मीनू के व्यक्तित्व में बहुत परिवर्तन आता है । वह आत्मविश्वास से भरी है । यह आत्मविश्वास उसकी जोशभरी रोबीली आवाज़ में झलकता है । वकालत करते हुए वह मीरापुर की साधारण दिखने वाली लड़की नहीं रह जाती बल्कि एक आत्मनिर्भर लड़की बन जाती है । मेरठ में स्वतंत्र रूप से अकेले रहने पर वह निर्भीक बन जाती है और जीवन के निर्णय स्वयं लेने में सक्षम है ।

(iv) इस उपन्यास के माध्यम से लेखिका ने युवतियों को जागृत कर नया रास्ता दिखाने का प्रयत्न किया है । लेखिका का प्रमुख उद्देश्य लड़कियों को शिक्षा प्राप्त कर अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए प्रोत्साहित करना है । हमारे देश में आज भी दहेज प्रथा के चलते कितनी ही लड़कियों के विवाह टूट जाते हैं । साधारण रूप-रंग वाली लड़कियों को नापसंद कर दिया जाता है । ऐसे में शिक्षा का मार्ग ही उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाता है ।

एकांकी संचय
Ekanki Sanchay

Question 14.

(i) प्रस्तुत अवतरण का वक्ता अतुल है । अतुल अविनाश का छोटा भाई है । स्वस्थ युवक, साँवला रंग । उसके मुख पर दृढ़ता के भाव हैं तथा आँखों में सौम्यता दिखाई देती है । वह एक आदर्श पुत्र और आदर्श पति है । वह अपने सभी कर्तव्यों को बखूबी निभाता है । वह एक प्रगतिशील विचारधारा का नवयुवक है जो सभी रिश्तों की भावनाओं को समझता है ।

(ii) अविनाश एक सिद्धांतवादी नवयुवक है । उसके अनुसार संतान का पालन-पोषण माता-पिता का नैतिक कर्तव्य है । वे किसी पर एहसान नहीं करते ,केवल राष्ट्र का ऋण चुकाते हैं । संतान को भविष्य के लिए तैयार कर , राष्ट्र के लिए तैयार कर वे इस ऋण से मुक्त हो सकते हैं । इससे अधिक मोह है ,इसीलिए पाप है ।

(iii) वक्ता अतुल अपने बड़े भाई अविनाश की बीमारी का समाचार माँ को नहीं सुनाता । अविनाश ने एक बंगाली युवती से प्रेम विवाह किया है । पुराने सोच-विचार वाली माँ इस विवाह को स्वीकार नहीं करती । परिणामस्वरूप अविनाश अपनी पत्नी के साथ अलग रहता है । एक विजातीय बहू को स्वीकारना माँ के संस्कारों के विरुद्ध है । इसीलिए अविनाश की बीमारी का समाचार वह माँ को सुनाता क्योंकि माँ के संस्कार उसे अविनाश के घर जाने से रोकते ।

(iv) जीवन में संस्कारों का होना आवश्यक है क्योंकि संस्कारों से ही चरित्र निर्माण होता है । लेकिन, संस्कारों को लेकर ज़िद करना भयावह भी हो सकता है । हमारे संस्कारों की ज़िद किसी की भावनाओं को दुख पहुँचा सकती है । कभी-कभी तो ये संस्कार आगे बढ़ने से भी रोक देते हैं । अतः अविनाश संस्कारों की दासता को सबसे भयंकर शत्रु कहता है ।

Question 15

(i) नकली दुर्ग मेवाड़ में बनवाया गया था । नीमरा के युद्ध में हाड़ाओं के हाथों पराजय के बाद महाराणा लाखा प्रण लेते हैं कि जब तक वे बूँदी से हार का बदला नहीं ले लेते , अन्न-जल ग्रहण नहीं करेंगे । यह एक विवेकहीन प्रण था जिसे महाराणा लाखा पूर्ण करना ही चाहते थे । प्रण पूर्ण करने के लिए चारणी मेवाड़ में ही नकली दुर्ग बनाकर उसे ध्वंस करने का सुझाव देती है ।

(ii) बूँदी के राजपूत हाड़ा वंश के हैं । हाड़ाओं ने युद्ध के नियमों को तोड़ने की धृष्टता की थी । रात के समय जब युद्ध-विराम था तब हाड़ाओं ने अचानक मेवाड़ के शिविरों पर आक्रमण कर दिया । आकस्मिक धावे से घबरा कर मेवाड़ के सैनिक भाग खड़े हुए ।

(iii) वक्ता महाराणा लाखा है । वे मेवाड़ के शासक हैं। वे एक साहसी और पराक्रमी राजा थे । राजपूतों की एकता के पक्षधर थे । कुछ हद तक महत्वाकांक्षी , हठी और अविवेकी भी थे ।

(iv) चारणी प्रतिज्ञा को मेवाड़ का दुर्भाग्य मानती है । वह हाड़ा सैनिकों की वीरता से परिचित है और पुनः युद्ध की स्थिति में मेवाड़ की पराजय को लेकर आशंकित भी है । वह महाराणा लाखा से निवेदन करती है कि राजपूत शक्तियों में स्नेह का संबंध बना रहने दें हाड़ाओं को उनकी धृष्टता के लिए क्षमा कर दें ।

Question 16.

(i) वक्ता दुर्योधन है । महाभारत के युद्ध में सभी कौरव वीर मारे जाते हैं । दुर्योधन ही अकेला बचता है । वह थका हुआ है , उसका कवच फट गया है और उसके सारे शस्त्र भी समाप्त हो चुके हैं । वह अपनी रक्षा के लिए जलाशय में छिपकर बैठ जाता है ।

(ii) दुर्योधन ने हमेशा ही पांडवों को मार्ग से हटाने के लिए कुटिल चालें चली । एक बार उसने एक भवन बनवाया जो लाख से निर्मित था । उसकी योजना पांडवों को उस भवन में ठहराने की थी । वह उस भवन में आग लगवाकर पांडवों जलवा देना चाहता था लेकिन पांडवों को इस षड़यंत्र की सूचना मिल जाती है और वे एक सुरंग से बाहर निकल जाते हैं ।

(iii) युधिष्ठिर पाण्डवों में सबसे बड़ा है । वह धर्मराज के रूप में भी जाना जाता है । वह एक सत्यवादी , न्यायप्रिय और सदाचारी व्यक्ति था । वह अपनी विनम्रता के कारण लोकप्रिय था । कौरवों के दुष्ट आचरण करने पर भी उसने कभी कौरवों का अहित नहीं चाहा । वह निर्लोभी और शान्तिप्रिय थे ।

(iv) महाभारत की एक साँझ- एकांकी का शीर्षक कथानक के लिए उचित है । प्रस्तुत एकांकी में एकांकीकार ने पौराणिक कथा को एक नये दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत किया है जहाँ केवल कौरवों को ही नहीं अपितु पांडवों को भी युद्ध के लिए ज़िम्मेदार माना गया है ।

महाभारत के युद्ध की संध्या समय था , अर्थात युद्ध समाप्ति पर था । कौरवों की ओर से केवल दुर्योधन ही जीवित था जो अपने प्राणों को बचाने के लिए जलाशय में छिप गया था । पाण्डवों के ललकारने पर वह विवश होकर बाहर आता है । भीम के साथ उसका गदा युद्ध होता है । श्रीकृष्ण के संकेत पर भीम दुर्योधन की जंघा पर वार करता है और दुर्योधन आहत होकर गिर जाता है । संध्या के समय युधिष्ठिर दुर्योधन के पास आकर उससे बात करते हैं लेकिन दुर्योधन तब भी पश्चात्ताप व्यक्त नहीं करता वरन युद्ध के लिए पाण्डवों को ही ज़िम्मेदार ठहराता है । और इस प्रकार प्रलाप करते-करते संध्या के समय दुर्योधन अपने प्राण त्याग देता है ।